मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# MSK–012

## स्नातकोतर उपाधि ( संस्कृत )

## ( एम. एस. के. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2024

## एम.एस.के.-012 : धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

***नोट :*** *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों का उत्तर केवल एक भाषा संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी में दीजिए।*

### खण्ड—क

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप से दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* 4×15=60

1. धर्मशास्त्र किसे कहते हैं ? धर्मसूत्रों की परम्परा का वर्णन करते हुए प्रमुख धर्मसूत्रों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में प्रतिपादित सामाजिक संस्थानों का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

3. पौराणिक सृष्टि प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

4. रामायण का परिचय देते हुए उसके कालनिर्धारण पर विस्तृत रूप से चर्चा कीजिए।

5. महाभारत का पर्वानुसार परिचय देते हुए उसके विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

6. 'आख्यान' किसे कहते हैं ? महाभारत में वर्णित प्रमुख आख्यानों का वर्णन कीजिए।

## खण्ड—ख

**नोट :** निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

$4 \times 10 = 40$

7. 'मनुस्मृति' में प्रतिपादित प्रमुख विषयों का वर्णन कीजिए।

8. 'याज्ञवल्क्य स्मृति' की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

9. पुराणों के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

10. रामायण की उपजीव्यता पर प्रकाश डालिए।

11. महाभारत की ऐतिहासिकता को स्पष्ट कीजिए।

12. महाभारत की उपजीव्यता का वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×